NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th
Subject : History
Chapter : 10
Chapter Name : उपनिवेशवाद और देहात

Q1 ग्रामीण बंगाल के कई क्षेत्रों में जोतदार एक शक्तिशाली व्यक्ति क्यों था?

Answer. बंगाल के अमीर किसान जोतदार के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने भूमि के विशाल क्षेत्रों का अधिग्रहण किया था - कभी-कभी कई हज़ार एकड़ के रूप में। उन्होंने स्थानीय व्यापार के साथ-साथ साहूकारी को नियंत्रित किया, उन्होंने इस क्षेत्र के गरीब कृषकों पर अत्यधिक शक्ति का प्रयोग किया। उन्होंने गरीब ग्रामीणों के काफी हिस्से पर प्रत्यक्ष नियंत्रण किया। उन्होंने गाँव के जाम को बढ़ाने के लिए जमींदारों के प्रयासों का जमकर विरोध किया, ज़मींदारी के अधिकारी को उनके कर्तव्यों को करने से रोका, उन पर निर्भर रहने वाले रैयतों को इकट्ठा किया, और ज़मींदारों को राजस्व के भुगतान में जानबूझकर देरी की। हालांकि अमीर किसान और ग्राम प्रधान, देश में शक्तिशाली हस्ती के रूप में उभर रहे थे लेकिन जोतदार उत्तरी बंगाल में सबसे शक्तिशाली थे।

Page : 286 , Block Name : Short Answer

Q2 ज़मींदारों ने अपनी ज़मींदारियों पर नियंत्रण बनाए रखने का प्रबंधन कैसे किया?

Answer. जमींदारों ने दबाव से बचने के तरीकों को तैयार किया, जिनमें से कुछ हैं -
→ काल्पनिक बिक्री एक ऐसी रणनीति थी। इसमें युद्धाभ्यास की श्रृंखला शामिल थी। मिसाल के तौर पर, बर्दवान के राजा ने सबसे पहले अपनी माँ को कुछ जमींदारी हस्तांतरित की, क्योंकि कंपनी ने फैसला किया था कि महिलाओं की संपत्ति को नहीं लिया जाएगा।
→ दूसरे कदम के रूप में, उनके एजेंटों ने नीलामी में हेरफेर किया। कंपनी की राजस्व मांग जानबूझकर रोक दी गई थी, और अवैतनिक शेष राशि जमा करने की अनुमति दी गई थी। जब संपत्ति का एक हिस्सा नीलाम किया गया था, तो ज़मींदार पुरुषों ने अन्य खरीदारों को छोड़कर संपत्ति खरीदी थी। बाद में खरीद के पैसे का भुगतान करने से इनकार कर दिया, ताकि संपत्ति को फिर से बेचना पड़े। एक बार फिर खरीद के पैसे का भुगतान नहीं किया गया था, और एक बार फिर से नीलामी हुई। यह प्रक्रिया राज्य में समाप्त हो रही थी, और नीलामी में अन्य बोली लगाने वालों को अंतहीन रूप से दोहराया गया था। अंत में संपत्ति को कम कीमत पर वापस ज़मींदार को बेच दिया गया।

Page : 286 , Block Name : Short Answer

Q3 बाहरी लोगों के आने पर पहाड़ियों ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

Answer. पहाड़ी लोग राजमहल पहाड़ियों के आसपास रहते थे, वन उपज पर निर्भर थे और खेती में बदलाव करते थे।
उन्होंने निम्नलिखित तरीकों से बाहरी लोगों के आने का जवाब दिया -
→ जब संथाल राजमहल पहाड़ियों की परिधि में बस गए, तो पहाड़ियों ने विरोध किया लेकिन अंततः पहाड़ियों में गहरी वापसी के लिए मजबूर हो गए।
→ पहाड़ियों को निचली पहाड़ियों और घाटियों में जाने से रोक दिया गया था, वे शुष्क आंतरिक और अधिक बंजर और चट्टानी ऊपरी पहाड़ियों तक सीमित थे। इससे उनका जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

→ जब सबसे उपजाऊ मिट्टी उनके लिए दुर्गम हो गई, तो दामिन का हिस्सा लाएं, पहाड़ियों ने खेती के अपने तरीके को प्रभावी ढंग से बनाए नहीं रखा।

Page : 286 , Block Name : Short Answer

Q4 संथालों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह क्यों किया?

Answer. संथालों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया क्योंकि उन्हें पता चला था कि जो जमीन उन्होंने खेती के तहत लाई थी, वह उनके हाथ से फिसल गई थी। राज्य उस भूमि पर भारी कर लगा रहा था जिसे संथालों ने मंजूरी दे दी थी, साहूकार उन्हें ब्याज की उच्च दर वसूल कर रहे थे और कर्ज न चुकाने पर भूमि पर कब्जा कर रहे थे, और जमींदार दामिन क्षेत्र पर नियंत्रण कर रहे थे। 1850 के दशक तक, संथालों ने महसूस किया कि औपनिवेशिक राज्य के खिलाफ विद्रोह करने का समय आ गया था, ताकि वे अपने लिए एक आदर्श दुनिया बना सकें जहां वे शासन करेंगे।

Page : 286 , Block Name : Short Answer

Q5 साहूकारों के खिलाफ दक्कन के रैयत का गुस्सा क्या बताता है?

Answer. साहूकारों के खिलाफ दक्कन के रैयत के गुस्से का मुख्य कारण -
→ साहूकारों ने ऋण देने से इनकार कर दिया, जिससे रैयत को बढ़ावा मिला।
→ वे और गहरे कर्ज में डूब गए थे और वे जीवित रहने के लिए साहूकारों पर पूरी तरह से निर्भर थे, इससे उन्हें और अधिक लाभ हुआ।
→ साहूकार देहात के प्रथागत मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे।
→ एक प्रथागत मानदंड था कि आरोप लगाया गया ब्याज मूल राशि से अधिक नहीं हो सकता है, लेकिन उन्होंने इस मानदंड का उल्लंघन किया। कई मामलों में यह पाया गया कि साहूकारों ने 100 रुपये के ऋण के लिए ब्याज के रूप में 2,000 रुपये का शुल्क लिया।

Page : 286 , Block Name : Short Answer

Q6 इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद कई जमींदारियां क्यों नीलाम की गई?

Answer. इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद कई जमींदारियां नीलाम की गई थी क्योंकि -
→ राजस्व की माँग इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर किसान अपने गाँवों को छोड़ कर भाग गए और नए क्षेत्रों में चले गए। खराब मिट्टी और उतार-चढ़ाव वाले क्षेत्रों में समस्या विशेष रूप से तीव्र थी। जब बारिश हुई तो फसलें खराब हो गईं, किसानों को राजस्व का भुगतान करना असंभव हो गया। इससे फसलों की जब्ती हुई और जुर्माना लगाया गया।
→ कृषि उत्पादों की कीमतें तेजी से गिरीं और डेढ़ दशक तक ठीक नहीं हुईं। इसका मतलब किसान की आय में और गिरावट है।
→ साहूकार से ऋण के बिना राजस्व का भुगतान शायद ही कभी किया जा सकता है। लेकिन एक बार ऋण लेने के बाद, रैयत समुदाय को वापस भुगतान करना मुश्किल हो गया।
→ कर्ज चढ़ता गया, और ऋण अवैतनिक रहे, साहूकारों पर किसानों की निर्भरता बढ़ती गई।
Page : 287 , Block Name : Long Answer

Q7 संथालों से अलग पहाड़ियों की आजीविका किस तरीके से थी?

Answer. पहाड़ी लोग राजमहल पहाड़ियों के आसपास रहते थे, वन उपज पर निर्भर थे और खेती को स्थानांतरित करने का अभ्यास करते थे। उन्होंने झाड़ियों को काटकर और घास को जलाकर जंगल के पैच को साफ किया। इन पैचों पर, राख से पोटाश द्वारा समृद्ध, पहाड़ियों ने उपभोग के लिए कई प्रकार की दालें और बाजरा उगाया। उन्होंने जमीन को हल्के से खरोंच दिया, कुछ वर्षों के लिए साफ भूमि पर खेती की, फिर इसे परती छोड़ दिया ताकि यह प्रजनन क्षमता को ठीक कर सके और एक नए क्षेत्र में चला गया। जंगल से उन्होंने भोजन के लिए महुआ (एक फूल), बिक्री के लिए रेशम कोकून और राल, और लकड़ी का कोयला उत्पादन के लिए लकड़ी एकत्र की। पहाड़ियों का जीवन - शिकारी के रूप में, खेती करने वाले, भोजन इकट्ठा करने वाले, लकड़ी का कोयला उत्पादकों, रेशम कीट पालन करने वालों के लिए - इस प्रकार जंगल से जुड़ा हुआ था। वे इमली के पेड़ों के भीतर झोपड़ियों में रहते थे, और आम के पेड़ों की छाया में आराम करते थे। संथाल इस क्षेत्र में घुस रहे थे, जंगलों को साफ कर रहे थे, लकड़ी काट रहे थे, जमीन की जुताई कर रहे थे और चावल और कपास उगा रहे थे। संथाल बस्तियों का तेजी से विस्तार हुआ। जब संथाल राजमहल पहाड़ियों की परिधि में बस गए।

Page : 287 , Block Name : Long Answer

Q8 अमेरिकी गृह युद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

Answer. 1860 में अमेरिकी गृह युद्ध शुरू हुआ, इसने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को बहुत प्रभावित किया - 1857 में ब्रिटेन में कॉटन सप्लाई एसोसिएशन की स्थापना हुई और 1859 में मैनचेस्टर कॉटन कंपनी का गठन हुआ। उनका उद्देश्य दुनिया के हर हिस्से में कपास उत्पादन को प्रोत्साहित करना था, जो इसके विकास के लिए अनुकूल हो। 1861 में जब अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ा, तो ब्रिटेन में कपास के इलाको में दहशत की लहर फैल गई। बंबई में, कपास व्यापारियों ने आपूर्ति का आकलन करने और खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कपास जिलों का दौरा किया। चूंकि बंबई में कपास की कीमतें बढ़ गई थीं, इसलिए व्यापारी अंग्रेजों की मांग को पूरा करने के लिए ज्यादा से ज्यादा कपास सुरक्षित करने के इच्छुक थे। इन घटनाक्रमों का दक्कन ग्रामीण इलाकों पर गहरा प्रभाव पड़ा। दक्कन के गाँवों में हुए दंगों को अचानक असीम रूप से ऋण तक पहुँच मिली। कपास के साथ लगाए जाने वाले प्रत्येक एकड़ के लिए उन्हें अग्रिम के रूप में 100 रुपये दिए जा रहे थे। जबकि अमेरिकी संकट जारी रहा, बॉम्बे दक्कन में कपास उत्पादन का विस्तार हुआ। कुछ अमीर किसानों ने लाभ उठाया, लेकिन बड़े बहुमत के लिए कपास के विस्तार का मतलब भारी कर्ज था।

Page : 287 , Block Name : Long Answer

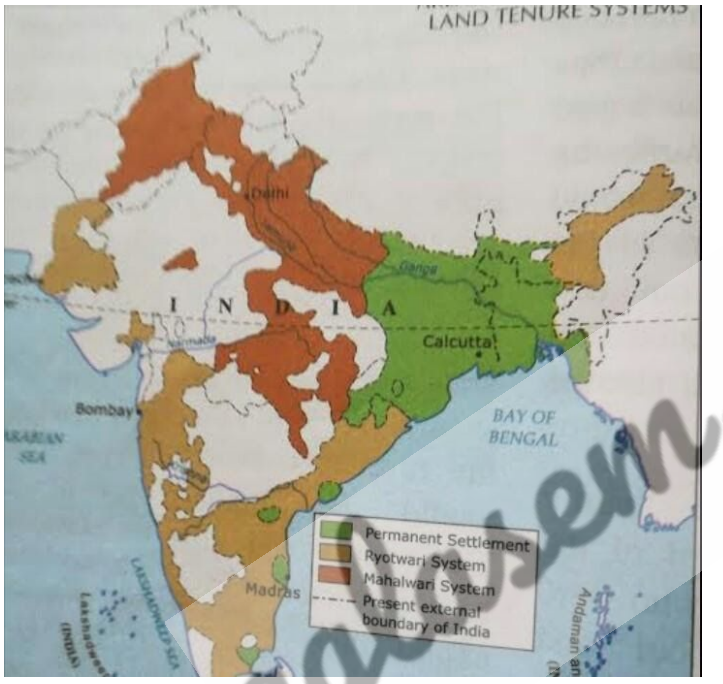
Q9 किसानों के इतिहास के बारे में आधिकारिक स्रोतों का उपयोग करने में क्या समस्याएं हैं?

Answer. किसानों के इतिहास के बारे में लिखित रूप में आधिकारिक स्रोतों का उपयोग करने की समस्याएँ हैं - यह रिपोर्ट, जिसे दक्कन दंगा रिपोर्ट के रूप में संदर्भित किया गया है, इतिहासकारों को दंगों के लिए कई प्रकार के स्रोत प्रदान करती है। आयोग ने उन जिलों में पूछताछ की जहां दंगे फैलते थे, दंगों, साहूकारों और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए, विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व दरों, कीमतों और ब्याज दरों पर सांख्यिकीय आंकड़ों को संकलित किया और जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोर्टों को जांचा। आयोग ने बताया कि सरकार की मांग किसान के गुस्से का कारण नहीं थी। यह साहूकार थे जिन्हें दोषी ठहराया जाना था। इस प्रकार आधिकारिक रिपोर्ट, इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए अमूल्य स्रोत हैं। लेकिन उन्हें हमेशा देखभाल के साथ पढ़ा जाना चाहिए और समाचार पत्रों, अनौपचारिक खातों, कानूनी रिकॉर्ड और जहां संभव हो, मौखिक स्रोतों के साथ पुख्ता सबूतों के साथ जूझना चाहिए।

Page : 287 , Block Name : Long Answer

Q10 उपमहाद्वीप के रूपरेखा मानचित्र पर, इस अध्याय में वर्णित क्षेत्रों को चिह्नित करें। पता लगाएँ कि क्या अन्य क्षेत्र भी थे जहाँ इस्तमरारी बंदोबस्त और रैयतवाड़ी प्रणाली प्रचलित थी और इन्हें मानचित्र पर भी अंकित करे।

Answer. अध्याय में उल्लिखित क्षेत्र हैं - बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, राजमहल पहाड़ियाँ



Page : 287 , Block Name : Map Work